15/25

पत्रा० पेश हुई। मूल वाद अदम पैरवी अदम हाजरी
में खारिज किया जा चुका है। अतः प्रा० पत्र
का कोई औचित्य नहीं है। प्रा० पत्र इसी स्तर
पर खारिज किया जाता है। पत्रा० फैसल
शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.16 16:00:01 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner